

UPSC Current Affairs PDF 26 Aug 2021

हम्पी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-इतिहास, स्रोत- द हिंदू)

Why in the news?

- हाल में भारत के उपराष्ट्रपति ने विजयनगर जिले में हम्पी के UNESCO विश्व विरासत स्थल के संगीतमय स्तम्भों का भ्रमण किया।

हम्पी के बारे में जानकारी



- यह विजयनगर साम्राज्य की 14वीं शताब्दी की राजधानी है जो मध्य कर्नाटक के बेलारी जिले में तुंगभद्रा बेसिन में स्थित है।
- यहां पर मुख्य रूप से विजयनगर साम्राज्य के राजधानी शहर के अवशेष हैं।
- इसकी स्थापना 1336 ई. में संगम वंश के हरिहर और बुक्का द्वारा की गई थी।
- यह एक UNESCO विश्व विरासत स्थल है और इसे दुनिया का सबसे लंबा खुला वायु संग्रहालय भी कहा जाता है।

विजयनगर साम्राज्य के बारे में जानकारी

- विजयनगर अथवा "विजय का शहर" शहर और साम्राज्य दोनों का ही नाम था।

- यह उत्तर में कृष्णा नदी से प्रारंभ होकर प्रायद्वीप के धुर दक्षिण तक फैला था।

इस पर चार राजवंशों ने शासन किया:

1. संगम (1336 से 1485 ई.; संस्थापक: हरिहर प्रथम).
2. सलुवा (1485 से 1505 ई.; संस्थापक: सलुवा नरसिम्हा).
3. तलुवा (1491 से 1570 ई.; संस्थापक: तलुवा नरस नायक; प्रसिद्ध राजा: कृष्णदेव राय).
4. अराविदु (1542 से 1646 A.D.; संस्थापक: तिरुमाला)।

कैबिनेट ने गन्ना किसानों के लिए अभी तक के सबसे ऊंचे FRP को स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र सरकार ने हाल में गन्ना किसानों को शक्कर मिलों द्वारा दिए जाने वाले न्यूनतम मूल्य को रु. 5 प्रति क्विंटल बढ़ा दिया। इससे 2021-22 के शक्कर मौसमों के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) रु. 290 प्रति क्विंटल निर्धारित हो गया, जो अक्टूबर से सितंबर तक के लिए होता है।
- यह अभी तक की सबसे ऊंची FRP मंजूरी है, जिसे गन्ना किसानों के लिए स्वीकृत किया गया है।

निर्णय के लाभ

- यह निर्णय पांच करोड़ गन्ना किसानों और उनपर निर्भर लोगों साथ-साथ शक्कर मिलों और संबंधित उद्योगों में कार्य कर रहे पांच लाख कामगारों को लाभान्वित करेगा।

गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) के बारे में जानकारी

- इसकी घोषणा केंद्र सरकार द्वारा की जाती है जिसका निर्णय राज्य सरकारों और शक्कर उद्योग संघों से बातचीत के बाद कृषीय लागत और मूल्य आयोग (CACP) की अनुशंसाओं के आधार पर किया जाता है।
- FRP केवल गन्ने के लिए ही दिया जाता है।

संबंधित सूचना

न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में जानकारी

- MSP वह दर है जिसपर सरकार किसानों से अनाज खरीदती है।

MSP के प्रमुख उद्देश्य

- आपात बिक्री से किसानों के हितों को समर्थन देना।

- सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्न प्राप्त करना।
- कृषि उत्पादन में स्थिरता प्रदान करना।
- MSP कुछ हद तक बाजार मूल्यों को प्रभावित कर सकता है; लेकिन, सरकार की MSP नीति का लक्ष्य फसलों के बाजार मूल्य को प्रभावित करना नहीं है।

MSP का निर्धारण

- कृषीय लागत और मूल्य आयोग, जो कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत है, देश में MSP का अनुमान लगाता है।
- **CACP 22 फसलों के लिए MSP और गन्ने के लिए उचित एवं लाभकारी मूल्य (FRP) की अनुशंसा करता है।**
- गन्ने के लिए, FRP की घोषणा खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा की जाती है।

MSP निर्धारित करने के विचार में निम्नलिखित कारकों पर ध्यान दिया जाता है:

1. खेती की लागत,
2. मांग एवं आपूर्ति,
3. बाजार में मूल्य का रुख, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों,
4. अंतर-फसल मूल्य समानता,
5. कृषि एवं गैर-कृषि के बीच में व्यापार की शर्तें,
6. उत्पादन की लागत के ऊपर न्यूनतम 50% लाभ के रूप में, और
7. MSP (मुद्रास्फीति) का उस उत्पाद के उपभोक्ताओं पर संभावित परिणाम।

MSP की गणना

इस MSP का सामान्य तौर पर अनुमान तीन प्रकार की गणना विधियों पर आधारित होता है।

1. A2: इसके अंतर्गत, MSP का निर्धारण किसान द्वारा खेती पर खर्च की गई राशि से 50% ऊपर होता है जिसमें बीजों, खादों, कीटनाशकों और श्रम पर खर्च शामिल हैं।
2. A2+FL: इसमें शामिल हैं A2 साथ ही बिना भुगतान किए हुए पारिवारिक श्रम को प्रदान किया गया मूल्य।
3. C2: C2 के अंतर्गत, भूमि के किराए और खेती के वास्ते लिए गए धन पर ब्याज की लागत को A2+FL के ऊपर जोड़ दिया जाता है।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (Unama)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (Unama) के सैकड़ों कर्मचारी तालिबान की दया पर छोड़ दिए गए हैं।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (Unama) के बारे में जानकारी



- यह एक संयुक्त राष्ट्र विशेष राजनीतिक मिशन है जिसकी स्थापना 2001 में संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले के थोड़े समय बाद देश के पुनर्निर्माण में मदद के लिए की गई थी।
- UNAMA की स्थापना 28 मार्च 2002 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1401 द्वारा की गई थी।
- इसका मौलिक शासनादेश बोन समझौते (दिसंबर 2001) के क्रियान्वयन को समर्थन देना का है।
- यह देश और अफगानिस्तान की जनता के लिए सतत शांति और विकास की आधारशिला रखने में मदद देता है।
- संयुक्त राष्ट्र इस क्षेत्र में 1946 से सक्रिय है जब अफगानिस्तान आमसभा में शामिल हुआ था। UNICEF जैसी एजेंसियां अफगानिस्तान में 1949 से कार्यरत हैं।

'काज़िंद 21' अभ्यास

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- लाइवमिंट)

खबरों में क्यों है?

- भारत-कज़ाखस्तान संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास "काज़िंद-21" का पांचवां संस्करण अगस्त 30 से सितंबर 11 के मध्य कज़ाखस्तान के आयशा बीबी में प्रशिक्षण मोड में आयोजित किया जाएगा।

काज़िंद-21 अभ्यास के बारे में जानकारी

- यह अभ्यास दोनों सेनाओं के मध्य में एक संयुक्त प्रशिक्षण है, जिससे भारत और कज़ाखस्तान के बीच में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

- यह अभ्यास भारत और कज़ाखस्तान के सैन्य बलों के लिए एक अवसर उपलब्ध कराएगा जिससे UN शासनादेश के अंतर्गत वे पहाड़ी, ग्रामीण परिदृश्य में आतंकवाद निरोधक ऑपरेशनों के लिए प्रशिक्षित होंगे।
- संयुक्त अभ्यास के दायरे में शामिल हैं- पेशेवर विनिमय, उप-इकाई स्तर पर आतंकवाद निरोधक पर्यावरण में ऑपरेशनों की योजना और क्रियान्वयन एवं हथियारों, प्रतिरोधक शूटिंग में कौशल के लिए विशेषज्ञता को साझा करना और जवाबी कार्रवाई में अनुभव।
- यह अभ्यास आत्मविश्वास, अंतरसंक्रियता को भी मजबूत करेगा और भारत एवं कज़ाखस्तान के सैन्य बलों के बीच में सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा।

समृद्ध योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (MeitY) मंत्री ने हाल में उत्पाद नवाचार, विकास एवं वृद्धि (SAMRIDH) कार्यक्रम के लिए MeitY के स्टार्टअप एक्सीलरेटर्स की शुरुआत की है।

SAMRIDH योजना के बारे में

- यह भारतीय सॉफ्टवेयर उत्पाद स्टार्टअप्स के लिए एक उपयुक्त प्लेटफार्म सृजित करेगा जिससे उनके उत्पादों को उन्नत किया जा सके और उनके व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेशों को सुनिश्चित किया जा सके।
- समृद्ध कार्यक्रम अगले तीन वर्षों में ग्राहक जुड़ाव, निवेशक, जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय निमज्जन को उपलब्ध कराके 300 स्टार्टअप्स की गति को बढ़ाने पर ध्यान देगा।
- यह एक्सीलरेटर/निवेशक द्वारा समान सुमेलन निवेश को भी प्रोत्साहित करेगा।
- इस कार्यक्रम का लक्ष्य भारतीय स्टार्टअप वृद्धि को और आगे ले जाना है जिसने 63 यूनीकॉर्न के उभार को देखा है जिसका कुल मूल्यांकन \$168 अरब का है।

क्रियान्वयन किया गया

- इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन MeitY स्टार्टअप हब (MSH) द्वारा किया जा रहा है।

महत्व

1. यह पारंपरिक साथ ही साथ सरकार के नए युग उद्योग मिशन में रोजगार को पूरा करने में सहायता देगा।
2. यह न केवल स्टार्टअप्स को वित्तीयन समर्थन देगा बल्कि कौशल समुच्चयों को एक साथ लाने में भी मदद देगा जो उन्हें सफल बनने में मदद देंगे।

हवाना सिंड्रोम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (NAS) द्वारा पेश की गई एक रिपोर्ट ने निर्देशित माइक्रोवेव विकिरण को हवाना सिंड्रोम का संभावित कारण पाया है।

‘हवाना सिंड्रोम’ के बारे में जानकारी

- 2016 के उत्तरार्ध में, हवाना में तैनात US कूटनीतिज्ञों और अन्य कर्मचारियों ने अपने होटल के कमरों अथवा घरों में अनजान आवाजों को सुनने और अजीब भौतिक अनुभूतियों को महसूस करने के बाद बीमार होने के बारे में बताया था।
- इस लक्षणों में जी मिचलाना, गंभीर सिरदर्द, थकावट, सिर चकराना, नींद की समस्या और सुनने की शक्ति का समाप्त शामिल हैं, जिसे तब से ‘हवाना सिंड्रोम’ के नाम से जाना जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी रिपोर्ट की खास बातें

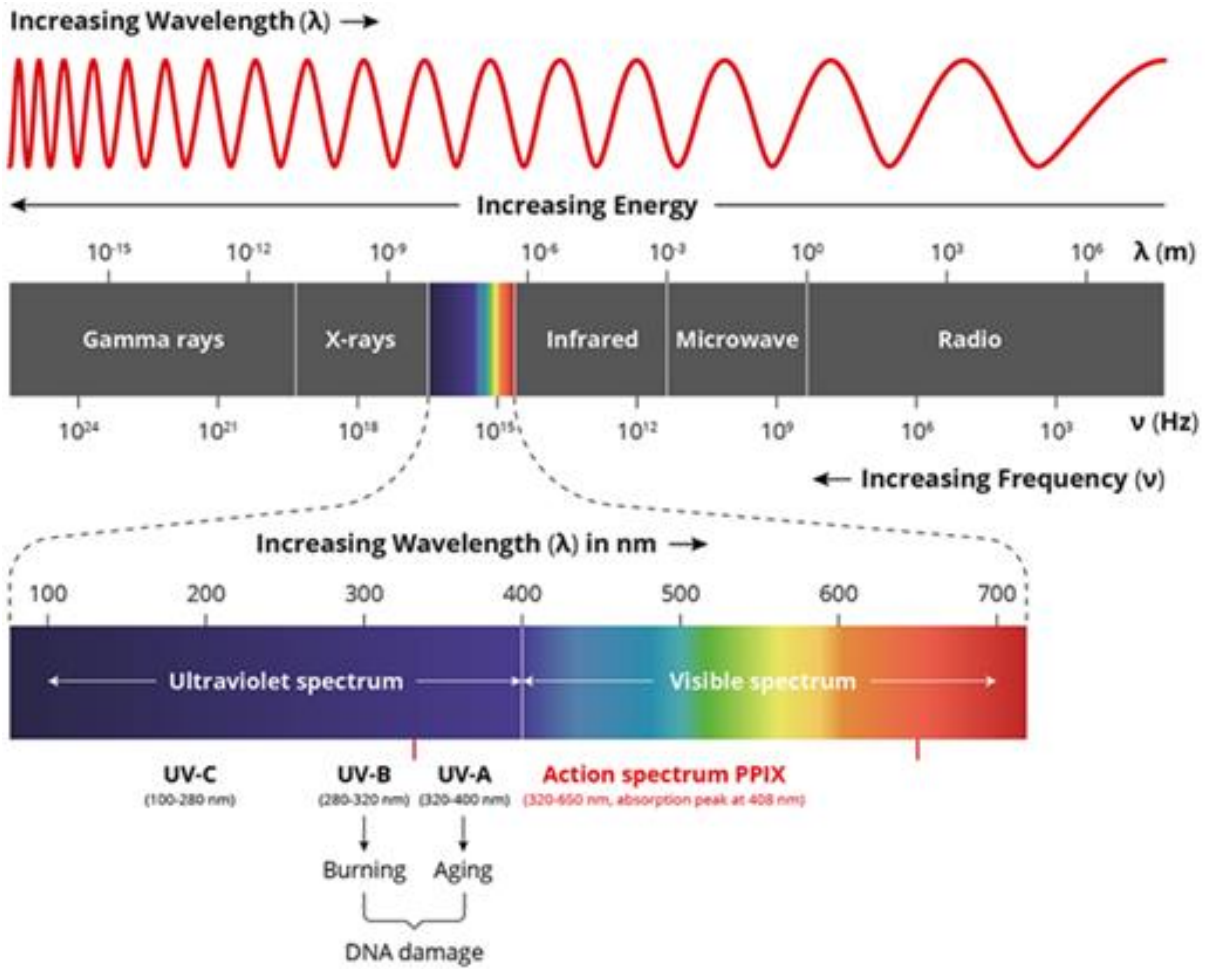
- NAS की रिपोर्ट जिसका शीर्षक “विदेशों के दूतावासों में US सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों की बीमारी का मूल्यांकन” था, जिसकी समिति में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों से 19 विशेषज्ञ शामिल थे, ने लक्षणों के वर्णन के लिए चार संभावनाओं की जांच की-

1. संक्रमण
2. रसायन
3. मनोवैज्ञानिक कारक
4. माइक्रोवेव ऊर्जा।

- रिपोर्ट का दावा था कि माइक्रोवेव हथियारों ने मानव लक्ष्यों की त्वचा में जल को गर्म करने के लिए उच्च आवृत्ति के वैद्युतचुंबकीय विकिरण की किरणों का सहारा लिया जिससे दर्द और परेशानी हुई।

संबंधित सूचना

वैद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम के बारे में जानकारी



- वैद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम आवृत्तियों, तरंगदैर्घ्यों और फोटॉन ऊर्जाओं की श्रृंखला है जो 1 हर्ट्ज से नीचे की आवृत्ति से लेकर 10²⁵ हर्ट्ज के ऊपर की आवृत्ति को कवर करता है। यह वैद्युतचुंबकीय तरंगों के स्पेक्ट्रम में कुछ किमी. से लेकर किसी परमाणु नाभिक के आकार के अंश के बराबर तरंगदैर्घ्य के समतुल्य होता है।
- सामान्य तौर पर निर्वात में वैद्युतचुंबकीय तरंगों की प्रवृत्ति उन गतियों से चलने की होती है जो प्रकाश के समान होती हैं।

माइक्रोवेव हथियारों के बारे में जानकारी

- माइक्रोवेव हथियारों को एक प्रकार का प्रत्यक्ष ऊर्जा हथियार माना जाता है, जिसका उद्देश्य किसी लक्ष्य पर सोनिक, लेज़र अथवा माइक्रोवेव के रूप में उच्च तरीके से केंद्रित ऊर्जा होती है
- उच्च तीव्रता वाली माइक्रोवेव स्पंदनों के संपर्क में आये हुए लोगों ने क्वणन अथवा बजिंग ध्वनि के बारे में बताया है। इसमें ऐसा लगता है कि यह सिर के अंदर से आ रही है।
- इसके गंभीर और दीर्घावधि प्रभाव दोनों हो सकते हैं- जिसमें किसी भौतिक क्षति का चिन्ह नहीं मिलता है।
- इस बात पर चिंता व्यक्त की गई है कि क्या वे आंखों को क्षति पहुँचा सकती हैं अथवा उनके दीर्घावधि में कैंसरकारी प्रभाव तो नहीं हैं।

भारत परिवहन के बिकार्बनीकरण के लिए मंच

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- नीति आयोग और विश्व संसाधन संस्थान (WRI) ने संयुक्त रूप से NDC- एशिया के लिए परिवहन पहल (NDC-TIA) परियोजना के हिस्से के रूप में भारत में 'परिवहन बिकार्बनीकरण के लिए मंच' की शुरुआत की है।

परिवहन बिकार्बनीकरण के लिए मंच के बारे में जानकारी

- यह मंच एक चरण प्लेटफार्म होगा जिससे समान नीतियों के विकास के लिए बातचीत को शुरू करने और परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जनों को घटाने में विशिष्ट परिणामों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

लक्ष्य

- इस परियोजना का उद्देश्य एशिया में ग्रीनहाउस गैसों के सर्वोच्च स्तर के उत्सर्जनों (परिवहन क्षेत्र) को घटाना है (2 डिग्री पाथवे से काफी नीचे के अनुरूप), जिसकी वजह से भीड़ और वायु प्रदूषण जैसे समस्याएं होती हैं।
- यह भारत में विद्युत गतिमयता को तीव्र करने के लिए उपयुक्त व्यवसाय मॉडलों को विकसित करने और रणनीतियां बनाने के लिए सभी हितधारकों के साथ करीबी समन्वय में कार्य करेगा।

महत्व

- भारत में, परिवहन तीसरा सबसे ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित करने वाला क्षेत्र है जिसमें सड़क परिवहन कुल कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जनों में 90% से ज्यादा का योगदान देता है।
- भारत सरकार अपनी विभिन्न नीतियों के द्वारा परिवहन के बिकार्बनीकरण को प्रोत्साहित कर रही है जिसमें मुख्य जोर विद्युत गतिमयता पर है।
- इसलिए, इस तरह के मंच जैसा समन्वित प्रयास निवेश को सक्षम बनाने, अपनाने को प्रोत्साहित करने और विद्युत वाहन उद्योग में उचित संचालन को सुनिश्चित करने में मदद देगा।

NDC-एशिया के लिए परिवहन पहल (NDC-TIA) परियोजना के बारे में जानकारी

- NDC एशिया के लिए परिवहन पहल (TIA 2020-2023) सात संगठनों का एक संयुक्त कार्यक्रम है जो अपने-अपने देशों में परिवहन के बिकार्बनीकरण के समग्र दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में चीन, भारत और वियतनाम को शामिल करेगा
- यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय मौसम पहल (IKI) का एक हिस्सा है।

- पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण और नाभिकीय सुरक्षा (BMU) के लिए संघीय सरकार इस पहल का समर्थन करती है जो जर्मन बुंडेसस्टैग द्वारा अपनाये गए निर्णय पर आधारित है।

भारत और NDC-TIA

- NDC-TIA भारत घटक प्रभावी नीतियों की सुसंगत रणनीति को विकसित करने और देश में परिवहन के बिकारबनीकरण के लिए एक बहुहितधारक प्लेटफार्म के निर्माण पर केंद्रित है।
- परियोजना के भारत घटक के लिए नीति आयोग एक क्रियान्वयन साझीदार है।

भारत में डेल्टा उपवंश AY.12 पाया गया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, SARS-CoV-2 के डेल्टा वैरिएंट का नए उपवंश 12 जिसे इज़रायल में वर्गीकृत किया गया है, देश के कई राज्यों में अब देखा जा रहा है।

डेल्टा वैरिएंट के बारे में जानकारी

- डेल्टा वैरिएंट (B.1.617.2) ने कई उपवंशों जिन्हें डेल्टा प्लस वैरिएंट कहते हैं, जन्म दिया है। ये इसके उत्परिवर्तनों की अधिकांश विशेषताओं को धारण करता है, लेकिन अन्य तरीकों से अलग है।
- इनमें से एक उपवंश जिसे 12 कहते हैं, में एक को छोड़कर सभी डेल्टा उत्परिवर्तन विशेषताएं हैं।
- इज़रायल में मामलों का बढ़ना चिंता का विषय है क्योंकि यह एक ऐसा देश है जिसमें इसकी 60% वयस्क जनसंख्या का पूरी तरह से टीकाकरण कर दिया गया है। यहां पर रिपोर्ट आई है कि इस देश में फाइजर टीके का प्रभावीपन जैसा की क्लीनिकल परीक्षणों के समय आया था, उससे काफी कम है।
- डेल्टा वैरिएंट SARS-CoV-2 B.1.617 वंश के तीन उपप्रकारों में से एक है जिसे 1.617.2 कहते हैं।
- अनुसंधानकर्ता प्रत्येक दिन वैरिएंट के बारे में नई सूचना की खोज कर रहे हैं।
- डेल्टा में पांच अलग क्लेड्स हैं- क्लेड A से लेकर E तक- और वर्तमान महामारी में डेल्टा D क्लेड सबसे ज्यादा प्रमुख है। यह सूचना इज़रायल के अनुसंधानकर्ताओं के एक संघ के अनुसार है।
- अभी कुल 12 उपवंश हैं (पूर्व के 1, AY.2, AY.3)। जहां AY.4 से AY.11 तक प्रमुख रूप से यूनाईटेड किंगडम में पाए जाते हैं, AY.12 एक उपवंश है जो प्रमुख रूप से इज़रायल में पाया गया है।
- डेल्टा वैरिएंट, वैश्विक रूप से कोरोनावायरस मामलों में इसकी बहुतायत होने की वजह से इसके कई उपवंश हैं जिससे इन्हें पुनः वर्गीकृत करना आवश्यक हो जाता है। ऐसा न करने पर इन्हें नाम देना काफी कठिन हो जाएगा।

संबंधित सूचना

'वैरिएंट ऑफ़ इंटेरेस्ट' के बारे में जानकारी

- इसका अर्थ है इसमें शामिल आनुवंशिक परिवर्तनों की भविष्यवाणी हो चुकी है अथवा वे संप्रेषणीयता, रोग की गंभीरता, अथवा प्रतिरक्षा से बचने को प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं।
- यह इस तथ्य की भी स्वीकृति है कि वैरिएंट ने कई देशों और जनसंख्या समूहों में काफी ज्यादा सामुदायिक संप्रेषण किया है।

कोरोनावायरस के वैरिएंट

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी तक 11 कोरोनावायरस वैरिएंटों की खोज की है (ग्रीक वर्णमाला में कुल 24 अक्षर हैं)।
- चार वैरिएंट ऑफ कंसर्न हैं:

1. अल्फा
2. बीटा
3. गामा
4. डेल्टा

- वर्तमान में सात वैरिएंट हैं, जिसमें लैम्बदा शामिल है जिन्हें WHO ने "वैरिएंट ऑफ इंटेरेस्ट" के रूप में वर्गीकृत किया है।

1. एप्सीलॉन
2. ज़ीटा
3. ईटा
4. थीटा
5. आईओटा
6. कप्पा
7. लैम्बदा

- इन सभी का हाल में ग्रीक अक्षरों पर नामकरण किया गया है जिससे उनको उत्पत्ति के देश के साथ जोड़ने से बचा जा सके जो अभी तक हो रहा था।

चिंता

- टीकाकरण से प्राप्त प्रतिरक्षा को लांघने के उभरते हुए वैरिएंटों की संभावना का अर्थ है कि उन जनसंख्याओं में भी संक्रमण की ताजा लहर आ सकती है जिन्हें अभी तक सामुदायिक स्तर के संरक्षण तक पहुँचने के करीब माना जाता था।